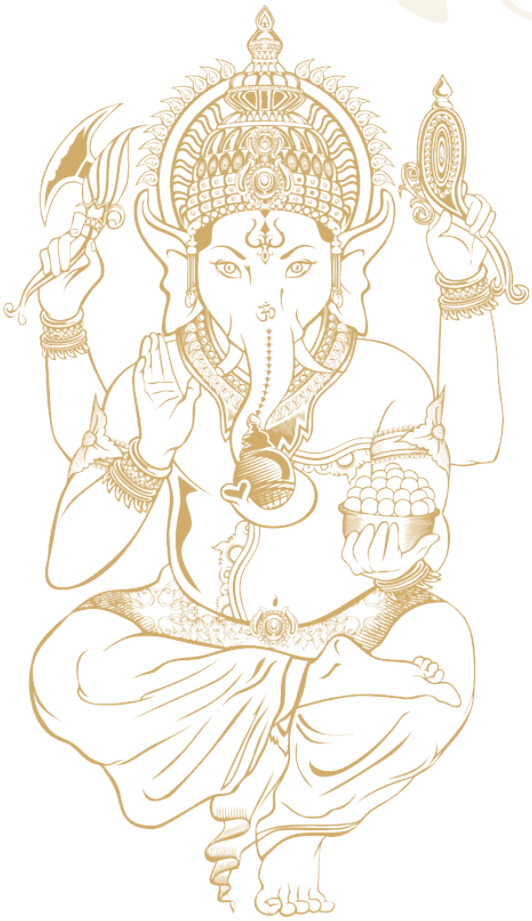

Mr.rakesh

Ms.megha ji

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120763101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 120763101 Date: 30/12/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/05/1995	जन्म तिथि	07/10/2007
मंगलवार	दिन	रविवार
घंटे 13:01:00	जन्म समय	09:02:00 घंटे
घटी 17:45:31	जन्म समय(घटी)	06:24:50 घटी
India	देश	India
Degana	स्थान	Ajmer
26:46:00 उत्तर	अक्षांश	26:29:00 उत्तर
74:17:00 पूर्व	रेखांश	74:40:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:32:52	स्थानिक संस्कार	-00:31:20 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:54:47	सूर्योदय	06:26:24
19:05:29	सूर्यास्त	18:11:53
23:47:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:58:03
कर्क	लग्न	तुला
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
वृष	राशि	सिंह
शुक्र	राशि-स्वामी	सूर्य
रोहिणी	नक्षत्र	मघा
चन्द्र	नक्षत्र स्वामी	केतु
2	चरण	2
शोभन	योग	शुभ
तैतिल	करण	कौलव
वा-वासुदेव	जन्म नामाक्षर	मी-मीनाक्षी
वृष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला
वैश्य	वर्ण	क्षत्रिय
चतुष्पाद	वश्य	वनचर
सर्प	योनि	मूषक
मनुष्य	गण	राक्षस
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
मृग	वर्ग	मूषक

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
चन्द्र 5वर्ष 6मा 27दि		27:58:36	कर्क	लग्न	तुला	22:53:07	केतु 4वर्ष 9मा 14दि	
गुरु		17:39:03	मेष	सूर्य	कन्या	19:31:30	शुक्र	
28/11/2025		15:53:54	वृष	चंद्र	सिंह	04:12:30	22/07/2012	
28/11/2041		26:49:37	कर्क	मंगल	मिथु	09:33:29	22/07/2032	
गुरु	16/01/2028	05:40:34	वृष	बुध	तुला	13:44:22	शुक्र	21/11/2015
शनि	30/07/2030	20:09:38	वृश्चि व	गुरु	वृश्चि	21:11:52	सूर्य	20/11/2016
बुध	03/11/2032	18:27:33	मीन	शुक्र	सिंह	05:09:09	चन्द्र	22/07/2018
केतु	10/10/2033	27:40:46	कुंभ	शनि	सिंह	10:08:39	मंगल	21/09/2019
शुक्र	10/06/2036	11:47:37	तुला व	राहु	कुंभ	12:44:06	राहु	21/09/2022
सूर्य	30/03/2037	11:47:37	मेष व	केतु	सिंह	12:44:06	गुरु	22/05/2025
चन्द्र	30/07/2038	06:40:34	मक	हर्ष व	कुंभ	21:42:20	शनि	22/07/2028
मंगल	05/07/2039	01:45:03	मक व	नेप व	मक	25:26:50	बुध	23/05/2031
राहु	28/11/2041	05:55:53	वृश्चि व	प्लूटो	धनु	02:33:55	केतु	22/07/2032

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:47:39 चित्रपक्षीय अयनांश 23:58:03

लग्न-चलित

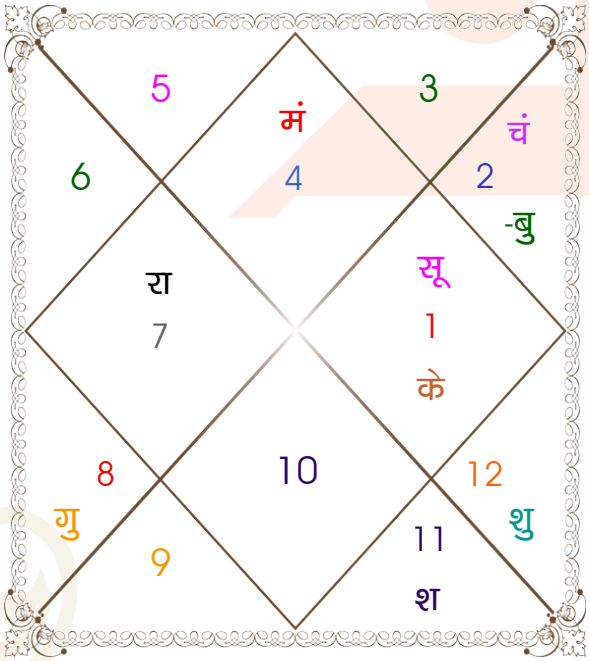

लग्न-चलित

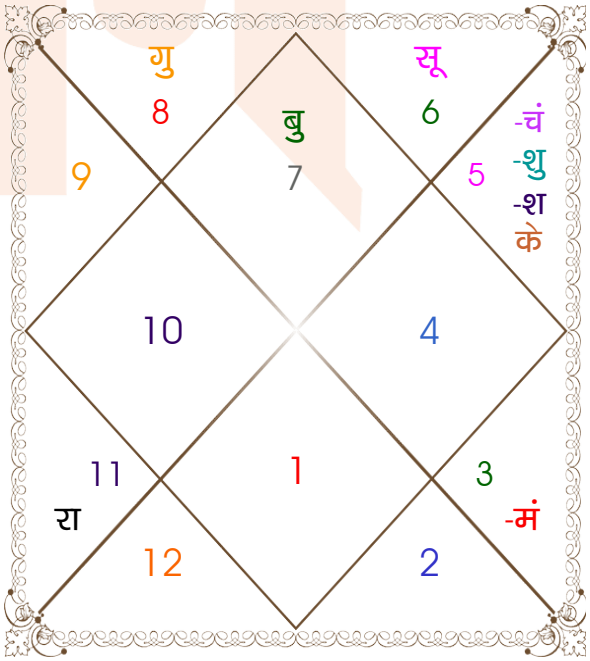

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	क्षेम	वध	3	1.50	--	भाग्य
योनि	सर्प	मूषक	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	सूर्य	5	0.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	सिंह	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	9.50		

कुल : **9.5 / 36**

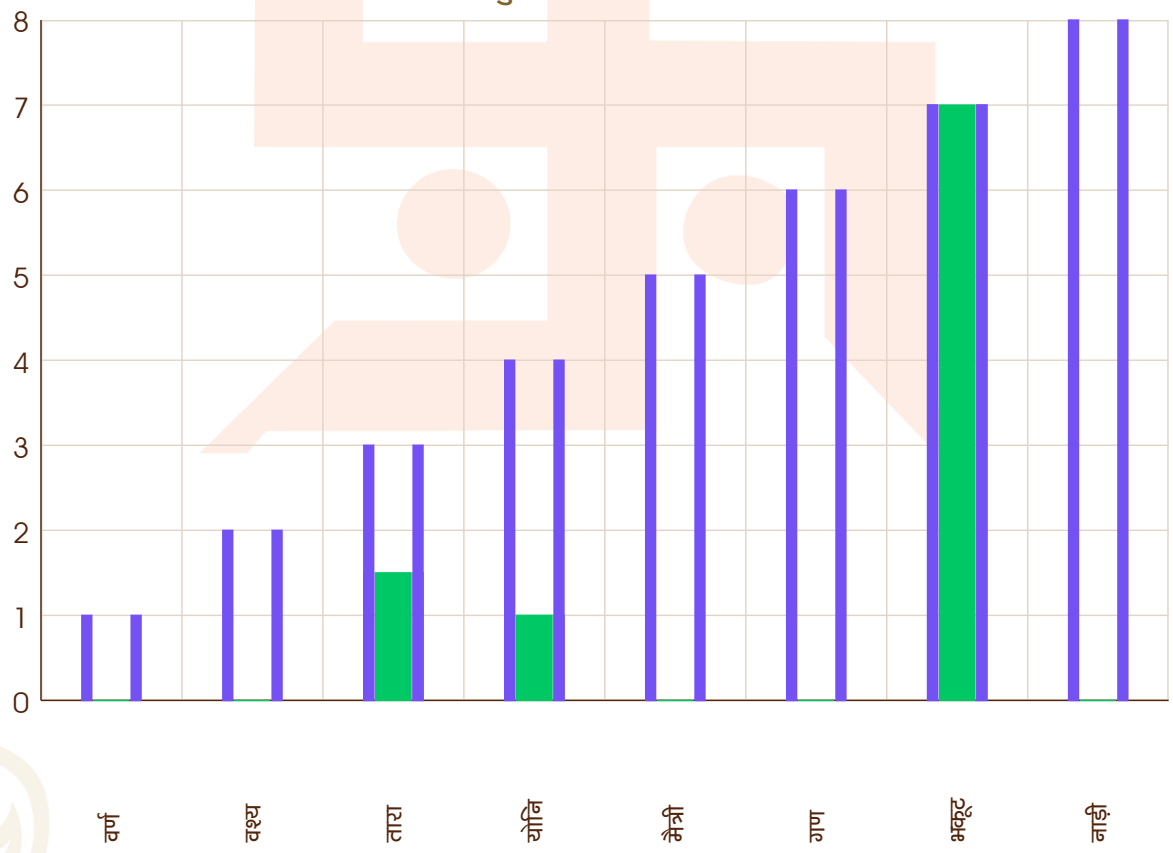

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr.rakesh का नक्षत्र रोहिणी है।

Mr.rakesh का वर्ग मृग है तथा Ms.megha ji का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.rakesh और Ms.megha ji का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.rakesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

भौमेः वक्रिणि नीचगृहे वाऽर्कस्थेऽपि वा न कुजदोषः।

अर्थात् यदि मंगल वक्री, नीच, अस्त का हो तो मंगल दोष नहीं होता है।

ढप्ध्;डडत्मजतवह;0द्धझ0द्धझ क्योंकि मंगल Mr.rakesh कि कुण्डली में वक्री है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.megha ji मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms.megha ji कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.rakesh तथा Ms.megha ji में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Mr.rakesh का वर्ण वैश्य है तथा Ms.megha ji का वर्ण क्षत्रिय हैं। क्योंकि Ms.megha ji का वर्ण Mr.rakesh के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Ms.megha ji अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Ms.megha ji को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

वश्य

Mr.rakesh का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Ms.megha ji का वश्य वनचर अर्थात सिंह (शेर) है। जिसके कारण यह मिलान अशुभ मिलान होगा। पशु हमेशा वनचरों (सिंह) के शिकार होत रहते हैं। पशुओं को हमेशा शेर से स्वयं की रक्षा करनी पड़ती है क्योंकि शेर, पशुओं को मारकर खा जाते हैं। इसी प्रकार यदि Mr.rakesh चतुष्पद एवं Ms.megha ji वनचर हो तो Ms.megha ji समय समय पर क्रूर स्वभाव, निर्दयी एवं हावी रहने वाली प्रवृत्ति की हो सकती है। फलस्वरूप Ms.megha ji Mr.rakesh पर कभी-कभी हावी रहेगी जो Mr.rakesh एवं उसके परिवार के लिए अच्छा नहीं रहेगा। Ms.megha ji का यह स्वभाव पूरी तरह से घर एवं परिवार की शांति को भंग कर सकता है तथा Ms.megha ji के असामान्य व्यवहार के कारण घर में अव्यवस्था एवं कोलाहल का माहौल रह सकता है।

तारा

Mr.rakesh की तारा क्षेम तथा Ms.megha ji की तारा वध है। Ms.megha ji की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह Mr.rakesh एवं Ms.megha ji दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Ms.megha ji अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

योनि

Mr.rakesh की योनि सर्प है तथा Ms.megha ji की योनि मूषक है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग-अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Mr.rakesh एवं Ms.megha ji दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अत्यधिक बुरा मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि में यदि दोनों के राशि स्वामी परस्पर शत्रु हों तो इसे अत्यधिक बुरा मिलान माना जाता है। जिसके कारण Mr.rakesh एवं Ms.megha ji के बीच किसी प्रकार का प्रेम नहीं रहेगा तथा दोनों में काफी वैचारिक भिन्नता, तनाव, झगड़ा, मुकदमेबाजी यहां तक कि तलाक आदि की स्थिति भी बन सकती है। परिवार में शांति एवं सौहार्दता के अनुपस्थित रहने के कारण घर में हमेशा पैसे का अभाव बना रह सकता है तथा अपनी न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भी Mr.rakesh दवं Ms.megha ji को काफी संघर्ष करना पड़ सकता है। इनके बच्चे अयोग्य, बात नहीं सुनने वाले तथा जीवन में काफी हद तक असफल होते हैं।

गण

Mr.rakesh का गण मनुष्य तथा Ms.megha ji का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms.megha ji का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Mr.rakesh एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Mr.rakesh से Ms.megha ji की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है तथा Ms.megha ji से Mr.rakesh की राशि दशम भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Mr.rakesh परिश्रमी एवं अपने व्यवसाय में काफी अच्छे होंगे। अपने व्यवसाय में लगन, निष्ठा एवं मेहनत के कारण उन्हें सभी से प्रशंसा प्राप्त होती रहेगी। दूसरी ओर Ms.megha ji घरेलू होंगी। अपने आतिथ्य भाव एवं सब का ध्यान रखने तथा बड़ों को सम्मान देने की प्रवृत्ति कारण परिवार के सदस्यों की आंखों का तारा होंगी। पति-पत्नी के बीच असीम प्रेम, सहयोग एवं सामंजस्य बना रहेगा।

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

नाड़ी

Mr.rakesh की नाड़ी अन्त्य है तथा Ms.megha ji की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Mr.rakesh एवं Ms.megha ji की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Mr.rakesh की जन्म राशि भूमितत्व युक्त वृष तथा Ms.megha ji की राशि अग्नितत्व युक्त सिंह है। नैसगिक रूप से भूमि तत्व एवं अग्नितत्व में असमानता विद्यमान होती है अतः Mr.rakesh और Ms.megha ji में विषमता रहेगी फलतः मिलान उत्तम नहीं रहेगा।

Mr.rakesh का राशि स्वामी शुक्र तथा Ms.megha ji का राशि स्वामी सूर्य परस्पर एक दूसरे के शत्रु हैं। अतः दोनों के मध्य प्रबल विरोध की भावना विद्यमान होगी तथा दोनों का स्वभाव अहंकार से भी युक्त रहेगा। जब Mr.rakesh की इच्छा पारिवारिक वातावरण में समय व्यतीत करने की रहेगी उसी समय Ms.megha ji की इच्छा घर से बाहर भ्रमण की होगी क्योंकि बाहयजनों से उनका स्नेह भाव अधिक रहेगा। इस प्रकार जीवन में परस्पर विषमता के कारण वैवाहिक जीवन सुखी नहीं रहेगा।

Mr.rakesh और Ms.megha ji की राशि परस्पर चतुर्थ एवं दशम भाव में पड़ती है। अतः यह शुभ भकूट है। इसके प्रभाव से Mr.rakesh और Ms.megha ji एक दूसरे को समझने के लिए उद्यत होंगे तथा परस्पर सामंजस्य से उपरोक्त समस्याओं को दूर करने के लिए प्रवृत होंगे। Mr.rakesh में धैर्यशीलता का भाव रहेगा तथा एक दूसरे के प्रति उनके मन में ईर्ष्या का भाव नहीं रहेगा। यद्यपि Ms.megha ji की प्रवृति सामाजिक रहेगी परन्तु दम्पति एक दूसरे के प्रति पूर्ण ईमानदार तथा विश्वास पात्र रहेंगे।

Mr.rakesh का वश्य चतुष्पद एवं Ms.megha ji का वश्य वनचर है नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं वनचर में विशेष समानता का भाव नहीं होता है। अतः Mr.rakesh और Ms.megha ji की अभिरूचियों में अंतर रहेगा। उनकी शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर विषमता रहेगी फलतः काम संबधों में एक दूसरे से सन्तुष्टि अल्प मात्रा में ही होगी तथा इसके प्रति उनके विभिन्न दृष्टि कोण रहेंगे।

Mr.rakesh का वर्ण वैश्य है अतः आर्थिक मामलों में सर्वदा सतर्क रहेंगे तथा व्यापारिक बुद्धि से कार्य कलाप करेंगे। Ms.megha ji का वर्ण क्षत्रिय होने से अपने कार्यो को वे साहस एवं पराक्रम के भाव से सम्पन्न करेंगी। उनकी प्रवृति व्ययशील भी होगी तथा जीवन में वे किसी से भी भयभीत नहीं रहेंगी। वह अपनी आत्मसन्तुष्टि के लिए साहसिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगी।

धन

Mr.rakesh और Ms.megha ji दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके अर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com

जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Mr.rakesh और Ms.megha ji अन्त्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः एक ही नाड़ी में उत्पन्न होने के कारण उनका स्वास्थ्य नाड़ी दोष से प्रभावित होगा तथा शारीरिक रूप से दोनों अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे। इसका मुख्य प्रभाव Ms.megha ji पर रहेगा जिससे वह गले तथा फेफड़ों से सम्बंधित परेशानी महसूस करेंगी। साथ ही कफ या शीतादि से भी उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। मंगल के दुष्प्रभाव से भी Ms.megha ji को धातु या गुप्त रोगों से परेशानी रहेगी जिससे मासिक धर्म सम्बन्धी अनियमितता भी हो सकती है। अतः मंगल के दुष्प्रभाव को समाप्त करने के लिए Mr.rakesh को नियमित रूप से हनुमान जी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास रखने चाहिए।

संतान

संतति प्राप्ति के दृष्टि से Mr.rakesh और Ms.megha ji का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उनको संतति की प्राप्ति उचित समय पर होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार का अनावश्यक विलम्ब नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य जन्म का अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उनके उचित पालन पोषण करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेगा। इसके अतिरिक्त इनकी कन्या तथा पुत्र संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव काल के प्रति Ms.megha ji के मन में अनावश्यक भय की भावना पहले से ही विद्यमान रहेगी जिससे वे मानसिक रूप से अशांति की अनुभूति करेंगी। अतः Ms.megha ji को चाहिए कि ऐसी भय की भावना को मन से दूर करें क्योंकि उनका प्रसव बिना किसी विघ्न या समस्या के सम्पन्न होगा तथा किसी भी प्रकार से प्रसूति संबधी चिकित्सा की उनको अनावश्यकता नहीं होगी साथ ही उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा सुदंर, स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में समर्थ रहेंगी। फलतः इससे सास ससुर तथा पति उनसे प्रसन्न रहेंगे।

Mr.rakesh और Ms.megha ji बच्चों की उन्नति व्यवहार कुशलता एवं बुद्धिमता से प्रसन्न रहेंगे। साथ ही माता पिता की इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथा उनके सम्मान का हमेशा ध्यान रखेंगे। लेकिन माता की अपेक्षा पिता से उनका विशेष लगाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करेंगे। अतः Mr.rakesh और Ms.megha ji का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms.megha ji के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Ms.megha ji अत्यंत

ही धैर्य एवं परस्पर सामजंस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Ms.megha ji पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Ms.megha ji अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबधो में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Mr.rakesh के अपनी सास से संबधों में मधुरता रहेगी तथा सास को वह अपनी माता के समान पूर्ण आदर एवं सम्मान प्रदान करेंगे। वह उन्हें अपने पुत्र के समान समझेंगी तथा उसी प्रकार अपनत्व तथा वात्सल्य प्रदान करेंगी। साथ ही समय समय पर वे सपत्नीक सास से मिलने के लिए ससुराल जाते रहेंगे।

लेकिन ससुर के साथ में Mr.rakesh के संबध अच्छे नहीं रहेंगे। इनकी आयु में अधिक अंतर के कारण वैचारिक तथा सैद्धांतिक मतभेद समय समय पर उत्पन्न होते रहेंगे। लेकिन यदि दोनों सामंजस्य की प्रवृति से कार्य लें तो मतभेदों में न्यूनता आएगी तथा मधुर संबधों में वृद्धि होगी। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में तनाव रहेगा तथा मानसिक स्तर पर विभिन्नता रहेगी जिससे एक दूसरे को वांछित सहयोग स्नेह एवं सहानुभूति अल्प ही प्रदान करेंगे। अतः इनको परस्पर सामंजस्य के भाव की स्थापना करनी चाहिए। इस प्रकार ससुराल पक्ष का दृष्टिकोण Mr.rakesh के प्रति सामान्य ही रहेगा।

CHOUBISA BHUPESH
V.P.O KEJAD (GAYTRI AGENCY)TH.SARADA
DIST.SALUMBAR PIN. 313902
7300488296
jugalvyas96@gmail.com